



अमृतवाणी

क्रोधित रहना ऐसा है, जैसे किसी और को मारने के लिए खुद जहर पीना।

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606

संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा

रोजाना आपकी सुबह की चाय पर



सूर्योदय - 6:28, सूर्यास्त - 5:36

वर्ष : 53/अंक : 297 मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025 कार्तिक, शुक्ल पक्ष, षष्ठी सम्बत् 2082 मूल्य : 3 रुपये

कुल पृष्ठ-4

यह बात उनके पिता मल्लिकार्जुन खड्गे को बुरी लग गयी तो...

दिल्ली को पछाड़ रेड जोन में पहुंचा जिले का प्रदूषण

एक्यूआई 313, ग्रेप-2 लागू होने के बावजूद इसके नियमों पर कोई अमल नहीं हवा में पीएम 2.5 बढ़ने आंखों में जलन, सांसों में घुटन और चर्म रोग बढ़े

मुज़फ़्फ़रनगर, 27 अक्टूबर (बु.)। कुछ सुबह के बाद आज फिर प्रदूषण के मामले में शहर ने रफ़्तार फ़कड़ और दिल्ली को पीछे छोड़कर रेड जोन में आ गया। हालांकि वेस्ट यूरो में नौघंटा टॉप पर रहा। नगर में आज एक्यूआई 313 पर पहुंच गया। इसके चलते जिलाधिकारी ने ग्रेप-2 के प्रावधानों को सख्ती से लागू करने के आदेश दिए हैं। प्रदूषण निरोधक विभाग ने भी कारखानों पर सख्त जांच अभियान चलाने का दावा किया है। इसके बावजूद जिले में कहीं भी ग्रेप-2 के निर्माण का पालन होता नजर नहीं आ रहा है। ना निर्माण कार्य रुके हैं और ना ही धूल धकड़ को रोकने की कोई व्यवस्था है। वहीं कारण है कि थोड़ा सुबह के बाद प्रदूषण हाथ पर हाथ धरे बढ़ा रहा और आज हवा की साफ़ता कर रड लेवल पर पहुंच गई। इसके चलते एक बार फिर सांसों पर संकेत मंडराता दिखा और आंखों में जलन और श्वास लेने में समस्या पैदा होने लगी।



विद्युत् है। प्रदूषण निरोधक विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी जितेश चंद्र ने कहा कि जिले में ग्रेप-2 के प्रावधान पहले से लागू हैं और इसके साथ ही जिलाधिकारी उमेश चंद्र ने पीडब्ल्यूडी, सभी नगर निकायों के ईओ व दूसरी निर्माण एजेंसियों को उक्त प्रावधान सख्ती से लागू करने और

प्रदूषण पर विशेष ध्यान देने के आदेश दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि विभाग भी प्रदूषण को स्थिति को देखते हुए फैक्ट्रियों, कोल्डों और ईट भूट आदि स्थानों पर सख्ती से कार्रवाई कर रहा है। प्रदूषण निरोधक विभाग दवावे चाहे जो करे, लेकिन जिले में प्रदूषण से लोगों को राहत दिलाने के लिए ग्रेप-2 के प्रावधानों को लागू करने के लिए कुछ किया जाता नजर नहीं आ रहा है। एक सप्ताह पूर्व विभाग ने कुछ कोल्डों पर जरूर कार्रवाई की थी, लेकिन अन्य विभाग इन प्रावधानों पर अमल करते नजर नहीं आ रहे हैं। यही वजह है कि दो दिन पूर्व तक शहर में जो एक्यूआई अरेंज जोन में था, वह आज रेड जोन में पहुंच गया। दिवाली बीते एक सप्ताह हो चुका है और इस बीच जिले को हवा बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई। इसके चलते जिले का एक्यूआई 300 से ज्यादा पर चल रहा है। आने वाले दिनों में भी प्रदूषण का स्तर कम होने की उम्मीद नहीं है। शहर में आंखों में जलन व चर्म रोगों के मरीज बढ़ रहे हैं। अस्पतालों में

एक्यूआई का प्रभाव

- 50 कोई नुकसान नहीं
- 51-100 सामान्य बीमारी से ग्रस्त लोगों के लिए थोड़ा नुकसानदायक
- 101-200 सांस के रोगियों के लिए नुकसानदायक
- 201-300 लोगों को सांस लेने में परेशानी
- 301-400 आंखों में जलन व सांस लेने की परेशानी

ग्रेप-2 में यह होना चाहिए

- सभी प्रकार के निर्माण कार्यों पर रोक।
- अस्पताल, रेल सेवा को छोड़कर अन्य जगहों पर डोजल जनरेटर पर प्रतिबंध।
- कोयला और लकड़ी जलाने पर रोक रहेगी।
- फैक्ट्रियों में केवल उचित ईंधन का इस्तेमाल किया जाएगा।
- रोजाना सड़कों की साफ-सफाई और पानी का छिड़काव करना होगा।

एक नवंबर से दिल्ली में ऐसी गाड़ियों को नहीं मिलेगी एंटी

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसी)। दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए 1 नवंबर से कुछ वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। निर्माण का पालन करने के लिए 48 टोपे बनाई गई हैं, जो उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाएंगी। सरकार ने जनता से सहयोग करने की अपील की है ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके। पुराने वाहनों पर प्रतिबंध लगाया गया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के आदेश पर अमल करते हुए परिवहन विभाग ने साफ किया है कि सभी बीएस-छह वाणिज्यिक माल वाहनों को 31-अक्टूबर 2026 तक की अवधि के लिए दिल्ली में प्रवेश की अनुमति है, इन पर प्रतिबंध नहीं है। अगर इसके बाद ये भी प्रतिबंधित होंगे।

बादलों की आमद के साथ शाम हुई और सर्द पश्चिम विक्षोभ के साथ चक्रवात का कॉकटेल बिगाड़ेगा मौसम

मुज़फ़्फ़रनगर, 27 अक्टूबर (बु.)। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आज आसमान पर बादल तो आ गए, लेकिन बारिश नहीं हुई। हालांकि बादलों की मौजूदगी के चलते दोपहर बाद धूप गायब रही और शाम के समय हवाओं में टंडक का अहसास भर गया। मौसम विभाग का कहना है कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और चक्रवात के चलते आने वाले दिनों में मौसम और बिगाड़ेगा तथा इससे तापमान में और कमी दर्ज की जाएगी। नगर में आज तापमान अधिकतम 29.9 और न्यूनतम 16.6 डिग्री सेल्सियस तक आ गया। अक्टूबर के अंतिम दौर की ओर बढ़ते मौसम में बदलाव आ रहा है। इसके चलते पहली बार आज नगर में तापमान 30 डिग्री से नीचे आ गया। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते आज दोपहर बाद से आसमान पर बादलों की आमद नजर आई और इससे जल्द बारिश के भी संकेत नजर आए। आज बादलों की मौजूदगी का असर यह रहा कि धूप गायब रही और शाम भी जल्द घिर आई। अभी मौसम के इस बदलाव का कारण

पश्चिमी विक्षोभ है। इसका असर उत्तर भारत के मैदानों से लेकर पर्वतीय क्षेत्रों भी नजर आ रहा है। इसके साथ ही प्रदेश में मॉन्सून चक्रवात भी अपना असर दिखाने लगा है। इसके चलते पूर्वोत्तर के कई जिलों में बारिश हुई। आज यह चक्रवात तट से टकराया है। ऐसे में आने वाले दिनों में इसका असर पूर्वोत्तर के साथ पश्चिम उत्तर प्रदेश तक भी पहुंचने की संभावना है। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बादलों की आवाजाही, परे में गिरावट और बुंदेलखंड के झांसी, ललितपुर आदि में बुंदलाबादी देखने को मिली। चक्रवात मोंधा के अंतर के बीच मौसम विभाग का कहना है कि अरब सागर से आ रही नमी और बंगाल की खाड़ी में बन रहे वेदर सिस्टम के चलते बादलों की सक्रियता बढ़ी है। इसके अंतर से अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखने को मिलेगी। ऐसे में मौसम में आने वाले दिनों में कहीं हल्की से तेज बारिश के साथ पहाड़ों पर बर्फबारी भी शुरू होगी।

छठ पूजा के अवकाश को लेकर रहा असमंजस

मुज़फ़्फ़रनगर, 27 अक्टूबर (बु.)। जिले में छठ पूजा के अवकाश को लेकर आज असमंजस की स्थिति बनी रही। आसपास के जिलों में छठ के अवकाश की खबर पर आज जिले में भी स्कूल संचालक और अभिभावक छुट्टी को लेकर जानकारी के लिए परेशान रहे। इस दौरान सोशल मीडिया पर अवकाश की सूचना के चलते संशय बढ़ा, हालांकि जिला विद्यालय निरीक्षक ने कोई अवकाश होने से इंकार किया।

मेरठ रोड स्थित बरनाला स्टील पर सीजीएसटी टीम का छापा

मुज़फ़्फ़रनगर, 27 अक्टूबर (बु.)। मेरठ रोड स्थित बरनाला स्टील पर आज केंद्रीय जीएसटी टीम ने छापे की कार्रवाई की। हालांकि इस दौरान हुई कार्रवाई को लेकर विभाग की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई। आज सुबह सीजीएसटी की टीम ने बरनाला स्टील पर छापे की कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने वहां क्या जांच की और इसमें क्या मिला, इसके बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं मिल सकी। स्थानीय जीएसटी अधिकारी कोई जानकारी होने से इंकार करते रहे।

वारंटी की गिरफ्तारी के दौरान पुलिस पर हमला और पथराव, मुकदमा हुआ दर्ज

दो दरोगा सहित महिला कांस्टेबल घायल, आरोपी पिता पुत्री गिरफ्तार

भोपा, 27 अक्टूबर (बु.)। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव जड़वड़ में सोमवार सुबह पुलिस की एक टीम एक वारंटी ओमप्रकाश को गिरफ्तार करने उसके आवास पर गई थी। आरोपी ओमप्रकाश के खिलाफ वर्षों पुराने एक मारपीट के मामले में वारंटी जारी हुआ था। जानकारी के अनुसार जैसे ही पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश को गिरफ्तार करना चाहा, तो उसकी पत्नी बबली और बेटियों बाँकी और मानसी ने पुलिस टीम का जोरदार विरोध किया और टीम के साथ अश्रु गैस का प्रयोग किया। यह विरोध जल्दी ही हिंसक झड़प में बदल गया, जिसमें पुलिस टीम के साथ जमकर धक्का-मुक्का और हाथापाई हुई और उसके बाद आरोपियों ने पुलिस पर पथराव करते हुए आरोपी ओमप्रकाश को मारने से भगा दिया। इस दौरान शौर-शराबे की आवाज सुनकर मौके पर प्रामोणों की भीड़ जमा हो गई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने स्थिति को संभालने में सफलता ओमप्रकाश और उसकी बेटों मानसी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। हमले की इस घटना में उपनिरीक्षक दिनेश सिंह और मनोज कुमार व महिला हेड कांस्टेबल अनीता सिद्धा घायल हो गए, जिसके बाद सभी घायल पुलिसवर्तियों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है। इस मामले में पुलिस ने ओमप्रकाश, उसकी पत्नी बबली, पुत्री मानसी और बाँकी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए मौके से गिरफ्तार ओमप्रकाश और मानसी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस ने पर्याप्त बल तैनात किया है।

जेल बदली तो लगा एनकाउंटर हो जाएगा, आजम खान का बड़ा बयान

रामपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान को जेल बदली जाने के दौरान एनकाउंटर का डर सता रहा था। इसका खुलासा उन्होंने खुद किया। कहा- एक घंटा करीब साढ़े तीन बजे उन्हें सोते से उठाया गया। उन्हें और उनके बेटे अब्दुल्ला के लिए जेल के बाहर एनकाउंटर हो रहे हैं। मैंने अब्दुल्ला को गले लगाया। कहा- बेटे, जिंदगी रही तो मिलेगी, नहीं रही तो ऊपर मिलेगी। मुझे यकीन नहीं था कि हम दोबारा मिल पाएंगे। दरअसल, अक्टूबर 2023 में आजम और उनके बेटे की अचानक जेल बदल दी गई थी। रामपुर से आजम को सीतापुर और अब्दुल्ला को हरदोई जेल भेजा गया था। आजम ने कहा- जेल असल में फांसीघर जैसी थी। मैं 23 महीने बेटे अब्दुल्ला के साथ एक कोठरी में रहा। वहां खिड़की तक नहीं थी।

मांगेराम त्यागी के खिलाफ रंगदारी व जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज

मुज़फ़्फ़रनगर, 27 अक्टूबर (बु.)। छपार टोल प्लाजा पर डिप्टी मैनेजर की हत्या के बाद शुरू हुआ पंगा अभी थमा नहीं है। प्लाजा के उकेदार पूर्व प्रमुख बुद्धान ने त्यागी भूमिहार समाज के नेता मांगेराम त्यागी समेत तीन लोगों पर एक लाख रुपये प्रतिमाह रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराकर मामले को पेचीदा बना दिया।

गत माह 19 सितंबर को मामूली कहासुनी के बाद टोल प्लाजा पर डिप्टी मैनेजर की हत्या के आरोपियों के साथ मिलकर डिप्टी मैनेजर विनोद पांडेय का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद मांगेराम त्यागी के नेतृत्व में कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर टोल पर हड़ताल शुरू कर दी थी। बाद में इसे लेकर जातीय पंचायतों और विवाद बढ़ने के बाद पूर्व प्रमुख विनोद मलिक से टोल प्लाजा का कॉन्ट्रैक्ट वापस लिए जाने की भी खबर आई थी। कुछ दिन हंगामों के बाद मामला शांत हो गया था। अब छपार टोल प्लाजा मामले में पूर्व प्रमुख विनोद मलिक ने मांगेराम त्यागी के खिलाफ छपार थाने में रंगदारी का मुकदमा दर्ज कराया है। इस में प्रतिमाह एक लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप लगाया गया है। विनोद मलिक ने शिकायत में कहा है कि 19 सितंबर को टोल प्लाजा छपार के सीनियर मैनेजर को गंभीर चोटों व डिप्टी मैनेजर की अपहरण कर निर्माण हत्या कर दी गयी थी। इस घटना को लेकर 20 सितंबर को समय सुबह 09.00 बजे सुनील उर्फ मांगेराम त्यागी पुत्र हरिशंकर निवासी गांव कुलुम्पुर व परिवंदर पुत्र रामकुमार गांव विजोबरा व दीपक पुत्र वेद सिंह गांव विजोपुरा ने टोल प्लाजा कर्मचारियों को उकसाकर टोल राजस्व वसूली बंद करवा दी। इसकी सूचना मिलते ही वह अपने साथियों सहित मौके पर पहुंचे व प्रशासनिक अधिकारी भी वार्ता के लिए आए। वार्ता के दौरान टोल प्लाजा सुचारु करने पर सहमति बन गई। उसी समय करीब 11.00 बजे सुनील उर्फ मांगेराम त्यागी ने अपने हिस्ट्री शीटर साथियों सहित मौके पर जाकर टोल राजस्व वसूली नहीं होने दी और गाली गलौच करते हुए व उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए उनपर अनैतिक कार्य करने का दबाव बनाया और कहा टोल



मांगेराम त्यागी किसी से डरता नहीं है

मुज़फ़्फ़रनगर। मामले को लेकर मांगेराम त्यागी ने कहा कि वह मुकदमों से डरने वाले नहीं है। ब्राह्मण समाज के व्यक्ति की हत्या की गई। उसकी लड़ाई व लड़ने। गरीबों की लड़ाई लड़ने पर मुकदमे से वह डरता नहीं है। उन्होंने कहा कि हम आवाज उठाते हैं तो हमें दवाव बताना पड़ेगा। उनका कहना है कि विनोद मलिक मेरा टोल और मेरा कर्मचारी की बात कह रहे हैं। टोल तो एनएचएआई का है। उन्होंने कहा कि वे अकेले नहीं पूरे समाज के साथ एसएसपी कार्यालय पर पहुंच कर गिरफ्तारी देंगे। पुलिस उन्हें गिरफ्तार करे।



MDA APPROVED



लफ़्फ़ी कुंज



अमित मान

M.9897506707

पता- पचैण्डा रोड से नसीरपुर लिंक रोड पर, मु0 नगर



सम्पादक की कलम से

आरजेडी का आत्मघाती चुनाव प्रचार

नेता और उनके सलाहकार किस बात को अच्छा समझें और किस बात को बुरा समझें, मुझे माफ़ नहीं रह गया है। मुख्यतः वक्तव्य तक को बुद्धिमत्ता समझा जाता है। ऐसे मुद्दों को लेकर पार्टी की पार्टी सड़क पर आ जाती है, जिसमें कोई दम नहीं होता, बाद में पुरी पार्टी को हालत खिलियानी बिल्ली जैसी हो जाती है। बिहार चुनाव में अब नोट चोरी का मुद्दा है न एएसआईआर कोई मुद्दा है और एक वक्त इन दोनों को लेकर पूरे बिहार में बवाल काटा गया। भारत ही के राजनैतिक दलों में यह गुण है कि वे अपने विरुद्ध ही प्रचार कर सकते हैं। बिहार में एक आरजेडी ऐसा ही दल है, जिसका प्रचार आत्मघाती है, लेकिन उसे न उसके नेताओं ने अभी तक बताया है न सलाहकारों ने। लालू यादव की पार्टी आरजेडी आत्मघाती चुनाव प्रचार कर रही है। उनके प्रचार में जातिवाद भी है, अश्लील भी और वह हिंसक भी हो रहा है। कानून के एतबार से ऐसा नहीं होना चाहिए, लेकिन अभी तक किसी ने इस कानून के खिलाफ हो रहे प्रचार पर ध्यान नहीं दिया है। आरजेडी और उसके समर्थक अपने चुनावी प्रचार में हिंसा, बंदूक और अश्लीलता का सहारा लेकर राजनीतिक स्तर को गिरा रहे हैं। गीतों के माध्यम से होने वाला यह धुवीकरण दिखा रहा है कि आरजेडी सत्ता में वापसी के लिए किस हद तक नीचे जा सकती है। आरजेडी के समर्थक और उनसे जुड़े युद्धयुव गायक हिंसा और गुंडागर्दी को बढ़ावा दे रहे हैं। वे गाने सीधे तौर पर मतदाताओं को धमका रहे हैं और पुराने जंगलराज की वापसी का संकेत दे रहे हैं, जिन नाजवानों ने जंगलराज नहीं देखा बस उसकी कहानियाँ सुनी हैं, वे इन गानों के माध्यम से पुराने जंगलराज को समझ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी चुनावी रैली में इन गानों पर तीखा हमला बोला है और इन्हें कठु-दुनाली का प्रचार बताया है। भाजपा ने अपने एक्स डेडल पर आरजेडी की मानसिकता और हिंसा वाले गानों का एक लघु पोस्ट किया है। पहले गाने के बोल हैं, लोके दुनाली दिवाली इम मनाइबो गौली के छल्ला से रे भैया के आवे दे सता ता कण्डा सता के उठा लेबो धारा से ये यह गाना कहता है कि दुनाली बंदूक से दिवाली मनाई जाएगी और आरजेडी के सत्ता में आने पर बंदूक की नोक पर लोगों को उनके घर से उठा लिया जाएगा। यह आत्मघाती प्रचार नहीं तो और क्या है। भाजपा ने इसे जंगलराज की वापसी की धमकी बताया और कहा कि आरजेडी समर्थक बिहार को फिर उसी हिंसक दौर में धकेलना चाहते हैं, जिससे एनडीए सरकार ने राज्य को बाहर निकाला था। यह कोई एक गाना नहीं है। आरजेडी समर्थकों की ओर से ऐसे कई गाने सोशल मीडिया पर चल रहे हैं। पहला गाना भैया के आवे दे सता में, उठा लेब सदा के कण्डा धारा से रे। दूसरं वोट न देने वालों को बंदूक से उठाने की बात है। दूसरा गाना, आरजेडी सरकार बनेगी तो यादव रंगदार बनेंगे, घर-घर हथियार रखे जाएंगे। यह गाना साफ तौर पर जातीय और हिंसक संदेश दे रहा है। लेकिन अत्यंत खेद की बात है कि कोई संस्था इस गुंडागर्दी का संज्ञान नहीं ले रही है। इसके अलावा, कठु-दुनाली और गौली के छल्ला जैसे शब्द बार-बार इन गानों में दोहराए गए हैं। कुछ गानों में विरोधियों को जेलाने तक की धमकियाँ दी गई हैं। एक गाने में आरजेडी समर्थित युद्धयुव गीत आरजेडी को हराने वालों को जलाने की धमकी दे रहे हैं। आरजेडी समर्थकों और उनसे जुड़े युद्धयुव चैनलों पर अब गानों में सिर्फ बंदूक नहीं, बल्कि अश्लीलता भी खुलकर पेशी जा रही है। भोजपुरी संगीत, जो कभी भिखारी ठाकुर और सारदा सिन्हा जैसे कलाकारों की वजह से संस्कृति का आईना था, अब फूहड़ता और महिला विरोधी बोलों का मंच बन चुका है। डबल मीनिंग गीतों में महिलाओं को वस्तु की तरह दिखाया गया। यही गायक अब जलजनी में उत्तरकर समाज सुधार की बात कर रहे हैं। आरजेडी ने इस बार खेसारी लाल यादव को टिकट दिया है, जबकि जनसुराज पार्टी ने रितेश पांडेय को मैदान में उतारा है। इन दोनों पर अश्लील गाने गाने के आरोप हैं। खेसारी लाल के कई वायरल गीतों में महिलाओं के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल हुआ है, जबकि रितेश पांडेय के डबल मीनिंग गाने खुलेआम फूहड़ता को बढ़ावा देते हैं। अब यही कलाकार जनता के वोट मांग रहे हैं। स्वाल यह है कि जो गानों में महिला का मजाक उड़ाते हैं, क्या वे विद्यासभा में महिला सशक्तिकरण की बात करेंगे? आज बिहार की जनता के सामने दो तस्वीरें हैं। एक तरफ मनोज तिवारी का ही हम बिहारी हैं जी, जो बिहार की मिट्टी, मैदान और संस्कृति का गीत है। दूसरी तरफ आरजेडी समर्थकों के हिंसक और अश्लील गाने हैं, जो जंगलराज की याद दिलाते हैं। वोटों को तय करना है कि वे विकास और शांति की राह चुनेंगे या गलियों और गुंडागर्दी की। बिहार अब पुराना जंगलराज नहीं चाहता, वह बड़े बिहार बनना चाहता है, जो मेहनत, सम्मान और सुशासन पर गर्व करे। भोजपुरी गायक मनोज तिवारी ने बिहार के सम्मान में गाना गाया है। हम बिहारी हैं जी रिलीज किया है, जिसे जनता खूब पसंद कर रही है। यह गीत संकरात्मकता और संस्कृति पर आधारित है। गाने की शुरुआत ही हम बिहारी हैं जी गाटी को सोना कर दें, वाली कलाकारी है जी से होती है। यह गीत बिहार की मेहनतश्रम जनता, कला, इतिहास और मिट्टी की खुशबू को स्तम्भन करता है। इसमें बिहार के सबसे बड़े पर्व छठ पूजा का भी सुंदर उल्लेख है। यह गाना एनडीए के उस संदेश को मजबूती देता है, जिसमें बिहार की पहचान को गरीबी या गुंडागर्दी से नहीं, बल्कि मेहनत और संस्कृति से जोड़ा जाता है। इधर तेजस्वी यादव ने अपने हालिया बयान में कहा कि अगर हमें गाँव मिला तो वक्तव्य बोर्ड वाला कानून फाड़ देंगे। तेजस्वी ने आखिर यह बयान क्यों दिया? क्या यह सिर्फ भावनात्मक प्रतिक्रिया थी या इसके पीछे कोई सोची-समझी चुनावी चाल? इस बयान को सिर्फ अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाला बताया जा रहा है, जबकि केन्द्र के बने कानून को राज्यों को मानना ही पड़ता है, यह बात तेजस्वी को शक्य माननी नहीं। तेजस्वी यादव कई कई गुना पर उझर रहे हैं। एक तरफ मुस्लिम समाज का असह्युद्धीन ओवैसी की पार्टी के हिस्से में आना, और दूसरी तरफ मुस्लिम वोटों में फिर अपनी पकड़ मजबूत करना और अब यह आत्मघाती चुनाव प्रचार। सीमावर्त और किशनगंज जैसे इलाकों में ओवैसी की बढ़ती सक्रियता ने राजद की नींद उड़ा दी है।



शिवचोक के निकट वसुंधरा कॉम्प्लेक्स का शानदार शुभारम्भ

-रेस्टोरेंट, रेडीमेड गार्मेन्ट्स, स्वर्णकार, इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि के मध्य शोरूमों के लिए हुई जोरदार बुकिंग

मुजफ्फरनगर, 28 अक्टूबर (बु.)। शिवचोक के निकट लोगों को लम्बे समय से एक ऐसे स्थान का इंतजार था, जहाँ वे सुकून के साथ शॉपिंग कर सकें। सुकून से मतलब जहाँ कॉम्प्लेक्स के बाहर आसानी से पार्किंग की सुविधा उपलब्ध हो। ऐसे ही एक कॉम्प्लेक्स वसुंधरा कॉम्प्लेक्स का शिवचोक के निकट बृज टैंकजोड़ से अगली गली 30 फुट रोड पर इसका भव्य शुभारम्भ सोमवार को हुआ। शुभारम्भ के अवसर पर नगर के गणमान्य लोगों के साथ-साथ व्यापारियों ने अपने 25-50 गज के प्लॉट्स को बुकिंग हाथों में धरा दी। कॉम्प्लेक्स संचालकों का उद्देश्य नगर में एक ऐसे स्थान को उपलब्ध करना है, जहाँ वाहनों की पार्किंग की कोई असुविधा न हो। आसानी से लोग अपनी गाड़ी, दुर्घटिया वाहन पार्क करके शॉपिंग कर सकें। कॉम्प्लेक्स के स्वामी अमित चौधरी का बताना है कि शहर में कोई भी ऐसा मॉर्कट नहीं है, जहाँ सुकून के साथ बाजार में आने वाले ग्राहक अपना वाहन खड़ा कर सकें और खरीदारी कर लें। ग्राहक के बीचों-बीच यह पहला ऐसा कॉम्प्लेक्स बनेगा, जिसमें पार्किंग की सुविधा तो होगी ही, साथ ही चटपटे रेस्टोरेंट से लेकर बेहतरीन डिजाइनिंग रखने वाले स्वर्णकार तक अपने शोरूम खोलेंगे। रेडीमेड गार्मेन्ट्स, कपड़ा व्यापारियों के भी भव्य शोरूम बंधे रहने को मिलेंगे। एक कॉम्प्लेक्स में एक ही स्थान पर सभी प्रकार की खरीदारी के लिए आमजन आ सकेगा। अमित चौधरी ने बताया कि 25-50 और 100 गज के शोरूम की जगह अपनी आवश्यकता अनुसार व्यापारियों ने यहाँ पर खरीदी है और पहले दिन बड़ा डिस्काउंट भी व्यापारियों को दिया गया है। व्यापारियों के साथ-साथ आज उक्त कॉम्प्लेक्स में नगर के गणमान्य लोगों के साथ-साथ उद्योगपति भी मौजूद रहे। कॉम्प्लेक्स के स्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि 70 प्रतिशत प्लॉटों की बिजली आपूर्ति के प्रथम दिन ही हो गयी है, जो अपने आगम्य उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। उनका मानना है कि अगले कुछ दिनों में ही कॉम्प्लेक्स की सारी भूमि की बुकिंग हो जाएगी। ऐसे में जो भी व्यापारी अपनी बुकिंग करना चाहें वह उक्त जगह का मौका मुआयना करके जल्द ही अपनी बुकिंग प्लॉट हेतु कर सकते हैं। इस अवसर पर बुलेटिन सम्पादक अंशु अरुण, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, भाजपा नेता गौरव स्वरूप, उद्यमी राकेश बिंदल, समाजसेवी व उद्यमी भीम कंसल, सतीश अशोक सिंह, पराग गौरव, संजय गौरव, श्रवण कुमार, संदीप गौरव, राजेश जैन गंगुल्ले, संजय जैन व राजेश जैन सवालॉत मिल, रोहित चौधरी, सुमित रोहतक, अचिन्त कंसल, भुवनेश गुप्ता, सतपाल मान, गौरव



कामेश्वर, अनुराग सिंघत, संजय शर्मा, अमित चौधरी वसुंधरा, डॉ. नवीन गंगुल्ले, संजीव कुमार अग्रवाल, नवीन कुच्छल पूर्व रजत जितन, अकाशा कुमार विजय लक्ष्मी, सुभाष गौरव सिद्धन्तली, साभासद आदि नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र में 9 करोड़ के झोटे युवराज की मौत

सालाना 80 लाख की थी कमाई

पानीपत, 27 अक्टूबर (एजेंसी)। हरियाणा में कुरुक्षेत्र के पशुपालक कर्मचारी सिंह के प्रियेड 9 करोड़ रुपए के झोटे युवराज का 23 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। युवराज 29 बार राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के मैलों में अपनी मुर्त नस्ल में चैंपियन रहा। वह लगभग 1500 किलोग्राम वजन की, 9 फीट लंबा और 6 फीट ऊंचा था। मालिक का दावा है कि उसके सीमन से करीब 2 लाख कटड़े और कटड़ियाँ पैदा हुईं। युवराज की सालाना कमाई लगभग 80 लाख रुपए तक बताई जाती थी। उसे खरीदने के कई ऑफर आए, लेकिन उसके मालिक कर्मचारी ने हमेशा इनकार कर दिया। हिसार स्थित राष्ट्रीय घेस अनुसंधान केंद्र में युवराज की एक प्रतिमा भी लगाई गई है। कर्मचारी के अनुसार, मुर्त नस्ल के इस झोटे पर हर महीने करीब 1 लाख रुपए का खर्च आता था। उसे रोजाना 20 लीटर दूध, 10 किलो फल, 10 किलो मटर और हर चारा खिला जाता था। शाम के समय उसे 6 किलोमीटर की दूरी तक ले जाया जाता था। युवराज को 23 वर्ष की उम्र में मारकर मरवा दिया गया। इसके बाद युवराज के मालिक ने अपने बच्चे की तरह इसे प्यार किया था। इसकी वजह से मेरी पहचान बनी। पंजाब, हरियाणा के अलावा हरद्वार, कानपुर, बिस्वत के अलावा अलग-अलग हिस्सों में गया। दिल्ली में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद युवराज को देखने के लिए आए थे। जानकारी के अनुसार युवराज के सीमन से हुई कटड़ी पहली बार 14 से 16 लीटर तक दूध देती है। 14 लीटर वाली घेस 3 से 4 लाख रुपए तक बिकती थी। युवराज का पिता योगराज था। मौत हो चुकी है। सीमा 23 साल के करीब का था। पंजाब में योगराज को काफी मांडांड थी। युवराज को माँ गंगा की भी सीमा हो चुकी है। गंगा ने 24 कटड़े-कटड़ियाँ को जन्म दिया था।

कुशीनगर में 25 मिनट में 4 सैंकेट ने भरी उड़ान, 2 नदी और 2 रेत पर गिरे

कुशीनगर, 27 अक्टूबर (एजेंसी)। यूपी के कुशीनगर में सोमवार को 25 मिनट में 4 सैंकेटों ने उड़ान भरी। चौथी सैंकेट अपनी निर्धारित ऊंचाई तक गयी। इसके बाद पैराशूट की मदद से वापस धरती पर लैंड करार गए। पहला सैंकेट करीब 1000 मीटर की ऊंचाई तक गया। ये सैंकेट और केनसेट लॉन्च कंपैशन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की निगरानी में हो रहा है। इसका आयोजन सेवरई ब्लॉक के रक्षा जंगली पट्टी गाँव में नारायणी नदी के किनारे 4 दिन (30 अक्टूबर) तक चलेगा। 30 अक्टूबर को अंतरिक्ष यानों युवायूकला भी मौजूद रहेंगे। इसे अंतरिक्ष ज्ञान अभियान नाम दिया गया है। सोमवार को कंपैशन का पहला दिन था। इस दौरान अंतरिक्षयान पर्याय में बैठे सारी सदस्य और लॉन्चिंग टीम एलएडी स्मॉल से लगातार मॉनिटर कर रही थी। लॉन्चिंग के लिए स्ट्रेज पर अलग से बड़ी एलएडी का इंतजाम किया गया। लॉन्च साइट की निगरानी कुल 8 हाई वोल्टेजिटी के कैमरों से की गई। लॉन्च के बाद 2 सैंकेट नारायणी नदी में गिर गए। जिन्हें टीम ने रिकवर कर लिया। अन्य 2 सैंकेट रेत से रिकवर किए गए। इंगोरो और इन-स्पेस के निर्देशन में रक्षा जंगली पट्टी गाँव में तीन दिन से तैयारी चल रही थी। नारायणी नदी के तट के किनारे 2 किलोमीटर का लूनाका खाली कराया गया था। वहाँ एक सैंकेट जिन नामले बनाया गया है। जहाँ से सैंकेट का प्रक्षेपण किया गया। तैयारी पूरी होने के बाद पहले दिन सोमवार को सुबह 7 बजे इसरो इन-स्पेस के निदेशक डॉ. विनोद कुमार और वरिष्ठ वैज्ञानिकों की देख-रेख में कार्यक्रम शुरू हुआ। तकनीकी कारणों से निर्धारित समय से 2 घंटे की देरी के बाद सुबह 9.30 बजे पहला सैंकेट प्रक्षेपित किया गया।

तालिबान की खुली धमकी, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ को दो-दूक चेताया

काबुल, 27 अक्टूबर (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर कब्रित तालिबान ने जंग-जंग चिल्ला रहे पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जनीबुल्लाह मुजाहिद ने जोर देकर कहा है कि अफगान सरकार बावतवत के जिएर मुद्दों को सुझाने को प्रतिक्रिया देती है और किसी भी देश या संस्था के साथ संबंधों के लिए इच्छुक नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन, अगर जंग थोपी गई तो इस्लामिक अमीरत सरकार इसका करारा जवाब देगी। तालिबान का यह बयान पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के जंग की धमकी के बाद आया है। ख्वाजा आसिफ ने धमकाते हुए कहा था कि अगर तुर्की में तालिबान के साथ सहमति नहीं बनी तो युद्ध का विकल्प खुला हुआ है। मौलवी जनीबुल्लाह मुजाहिद ने ख्वाजा आसिफ के बयान पर कहा, "अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता पर किसी भी तरह के उल्लंघन का उचित जवाब दिया जाएगा, और अफगानों को आत्मरक्षा का अधिकार है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल दूसरों को युद्धसाधन तैयार करने के लिए नहीं किया जाएगा। हालाँकि, पाकिस्तान का दावा है कि तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान की धरती तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकियों के लिए सुरक्षित पनाहगार बनी हुई है, जहाँ से वे पाकिस्तान के अंदर हमले कर रहे हैं। तालिबान ने इन दावों को हमेशा खारिज किया है।

यूपी में बच्चे के पेट के आर-पार हुआ सरिया, 7 घंटे तक दर्द से तड़पता रहा

फतेहपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसी)। यूपी के फतेहपुर में 5 साल का बच्चा 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाले से सरिया को काटकर अलग किया। फिर जब पेट से सरिया निकालने की कोशिश की, तो बच्चा चीखने लगा। उसे कानपुर के रिजेंसी अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया। लोगों ने पंचाजुकर 2.8 लाख रुपए जमा किए, तब जाकर ऑपरेशन हो पाया। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चा खरब से बाहर है। उच्चार्थ से गिरने के चलते बच्चे को मल्टीपल फ्रैक्चर हुए हैं। पेट के अंदरूनी कई अंग भी घट गए हैं, इसलिए मॉनिटरिंग के अंदर हमले कर रहे हैं। फतेहपुर में 22 फीट ऊंचे मकान की छत से गिर गया। नाली में पचा सरिया उसके पेट के आर-पार हो गया। करीब 7 घंटे बाद ऑपरेशन करके सरिया निकाला गया। उस दौरान बच्चा दर्द से तड़पता रहा। हादसा उस वक्त हुआ, जब बच्चा छत पर खेल रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर आए। नाल

